आईआईएम एक्सएलआरआई जमशेदपुर के साथ मिलकर नवंबर में शुरू होगा स्ट्रेटजी एंड लीडरशिप प्रोग्राम

नेचर से स्ट्रेटजी बनाना, वन और वन्यजीवों से सीखेंगे मैनेजमेंट

सिटी रिपोर्टर . रायपुर

प्रकृति आरएंडडी लैब के रूप में ज्ञान का भंडार है। इससे विकास, नवाचार, डिजाइन, विविधता, प्रतिस्पर्धा, नेतृत्व, उत्तराधिकार, स्थिरता, सहयोग, संचार, विपणन, रणनीति जैसे गुण सीखे जा सकते हैं। इसी को देखते हुए आईआईएम रायपुर अब नेचर के जरिए मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देगा। आईआईएम इस साल नवंबर माह में स्ट्रेटेजी एंड लीडरशिप प्रोग्राम शुरू करेगा, जो महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व में संपन्न होगा। प्रतिभागी यहीं रहकर वन और वन्यजीवों के जरिए जानेंगे कि नेचर मैनेजमेंट कैसे होता है। 4 दिन का यह प्रोग्राम 7 नवंबर से शुरू होकर 10 नवंबर तक चलेगा। "प्रकृति में गहराई से देखें और आप सब कुछ बेहतर समझेंगे" थीम पर यह संभवतः देश में अपनी तरह का पहला लीडरशिप प्रोग्राम होगा, जहां प्रतिभागी प्रकृति में रहकर, प्रकृति की खोज करके लीडरशिप क्वालिटी सीखेंगे।

जंगल में सैर कराते हुए मेंटोर करेंगे गाइड

प्रोग्राम के तहत प्रतिभागियों को टाइम लेस लेशन, समग्र दृष्टिकोण, अवलोकनात्मक अंतरदृष्टि और जटिल प्रणाली सोच के बारे में एक्सपर्ट जानकारी देंगे। प्रोफेशनल जीवविज्ञानी के साथ ही स्ट्रेटेजी व लीडरशिप मेंटोर प्रतिभागियों को जंगल में सैर कराते हुए मैनेजमेंट व लीडरशिप बताएंगे। इसके साथ ही क्लास भी लगेगी, जहां लेक्चर और डिस्कशन होंगे। प्रतिभागी सफारी में पशुओं के व्यवहार को ऑब्जर्व करते हुए प्रकृति के साथ इंटरेक्शन और रिस्पांड कैसे किया जाता है यह जान पाएंगे। फैकल्टी में इकोलॉजिस्ट डॉ. टाटा एल रघुराम, आईआईएम के डायरेक्टर डॉ. राम कुमार काकानी, प्रो. उमेश सराफ, प्रो. एस राम कुमार और श्रीजीत मिश्रा प्रतिभागियों को जानकारी देंगे।

10 जून तक करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

प्रोग्राम की फीस करीब 2 लाख 80 हजार रुपए फीस रखा गया है। फीस में कोर्स किट, ठहरने की व्यवस्था और सफारी/वॉक शामिल होंगे। यदि प्रतिभागियों के साथ उनके परिवार को कोई सदस्य होगा, तो उनके लिए 31 हजार रुपए अलग से देने होंगे। प्रोग्राम में शामिल होने के लिए 10 जून 2025 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। अधिक जानकारी आईआईएम के वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त कर सकते हैं।

प्रोग्राम में यह सिखाया जाएगा

- **दृष्टिकोण बदलने की शक्ति** : व्यापक दृष्टिकोण सहानुभूति और समझ विकसित करने के गुण, जो प्राब्लम सॉल्विंग स्किल्स को बढ़ाती है। इससे पुराने आइडिया के बदले नए जेनरेशन के अनुसार अप्रोच करने की क्वालिटी मिल सकेगी।
- **छोटे परिवेश में दुनिया में नेविगेट करना** : प्रकृति और वन्यजीव से पांच गुणों को बताया जाएगा। लचीला, सहज, गैर-रैखिक, उत्साहित और जिम्मेदार। ये वह गुण हैं, जो छोटे से परिवेश में दुनिया में नेविगेट करने का सबक सिखाती है।
- **जंगल से लीडरशिप** : सफारी ट्रिप में जंगल से बुद्धि, इनोवशन, लीडरशिप, विविधता, धीरज, संसाधनशीलता, पोषण, संतुलन, के साथ तालमेल सिखाया जाएगा।
- **उत्कृष्टता को बढ़ावा देना** : आलस्य, अहंकार, लालच के बदले संतुलित इनवायरमेंट क्रिएट करना।

Dainik Bhaskar (City Bhaskar), 22nd April, 2025, P.04.